डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शोध अधिष्ठान,

11–अशोक रोड, नई दिल्ली
www.indiannationalism.org

पराक्रमयुता प्रज्ञा राष्ट्राभ्युदयसाधिका

राष्ट्रीय घटनाक्रम गवाक्ष मालिका– वेबसाइट पर उपलब्ध

वीर शहीद इंस्पेक्टर मोहन चन्द शर्मा को 'शत्–शत् नमन'

शहीद मोहन चन्द शर्मा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए डा0 मुरली मनोहर जोशी और मेजर जनरल भुवन चन्द खण्डूरी

श्रोताओं को संबोधित करते हुए उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चन्द्र खण्डूरी, मंच पर (बाएं से दाएं) सुरेन्द्र पाल रातावाल, सैय्यद शाहनवाज हुसैन, प्रो0 विजय कुमार मल्होत्रा, डा0 मुरली मनोहर जोशी और मनजीत सिंह बिट्टा

यह भारत के विरुद्ध युद्ध है– डा0 मुरली मनोहर जोशी

आतंकवाद के खिलाफ जन–आंदोलन की जरूरत– मेजर जनरल भुवन चन्द खण्डूरी

यह समय राष्ट्रीय एकजुटता का है– प्रो0 विजय कुमार मल्होत्रा

कुछ गुमराह लोगों ने पूरे अल्पसंख्यक समाज को दांव पर लगाया– सैय्यद शाहनवाज हुसैन

गोली का जवाब गोली– मनजीत सिंह बिट्टा

जामिया नगर के 'बाटला हाऊस' में आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए दिल्ली पुलिस के जाबांज इंस्पेक्टर मोहन चन्द शर्मा को सोमवार 22 सितम्बर की शाम राजधानी के हिन्दी भवन में श्रद्धांजलि दी गई।

इस मौके पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा0 मुरली मनोहर जोशी, लोकसभा में विपक्ष के उपनेता एवं सांसद प्रो0 विजय कुमार मल्होत्रा, उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चन्द खण्डूडी, पूर्व नागरिक एवं उड्डयन मंत्री सैय्यद शाहनवाज हुसैन, दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री सुरेन्द्र पाल रातावाल, भारतीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा के अध्यक्ष मनजीत सिंह बिट्टा, प्रसिद्ध राष्ट्रीय कवि गजेन्द्र सोलंकी सहित दिल्ली नगर निगम के कई पार्षदों और बुद्धिजीवियों ने अमर शहीद इन्सपेक्टर मोहन चन्द शर्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इन सभी ने स्व0 शर्मा की मृत्यु को राष्ट्रीय क्षति बताया और उनके परिवार के साथ हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा0 मुरली मनोहर जोशी ने स्व0 मोहन चन्द शर्मा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि मोहन चन्द शर्मा एक वीर पुरूष थे। उन्होंने वीरता और कर्त्तव्यपरायणता का जो अदभूत परिचय दिया वह राष्ट्रभक्ति का एक श्रेष्ठ उदाहरण है। वे अपने बीमार पुत्र और अपने शरीर की चिंता न करते हुए आतंकवादियों से लड़े, जो उनकी कर्त्तव्यपरायणता को दर्शाता है।

डा0 जोशी ने प्रश्न उठाया कि इन हमलों को समझने के लिए ध्यान दें कि आतंकवादी हमले कहा–कहा कर रहे है? दिल्ली में जो देश की राजधानी है, मुम्बई में जो देश की आर्थिक राजधानी है, अहमदाबाद, सूरत और बैंगलोर में जो हमारे व्यवसाय के केन्द्र हैं, वाराणसी में जो हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक राजधानी है। उन्होंने कहा कि ये हमारे देश की आजादी पर हमले है, हमारे आर्थिक व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर हैं, ये हमले हमारी संस्कृति और धर्म पर है, आतंकवाद के खिलाफ सिर्फ प्रस्ताव पारित करने से आतंकवाद खत्म नहीं होगा, इसके लिए कानून के साथ दृढ़ इच्छा शक्ति व मजबूत इरादे की जरूरत है।

डा0 मुरली मनोहर जोशी ने इस मुद्दे पर चन्द मानवाधिकार संगठनों की भर्त्सना करते हुए कहा कि क्या मानवाधिकार केवल दो आतंकवादियों के लिए हैं? आखिर भारत के एक अरब लोगों को जीने का अधिकार है कि नहीं? हमें अपने बच्चों को जिन्दा रखने का अधिकार है कि नहीं? और हमें अपने आप को सुरक्षित रखने का अधिकार है कि नहीं? उन्होंने सभागार में उपस्थित लोगों से दो टूक शब्दों में कहा कि *'इट इज अ वार अगेंस्ट इंडिया '* और यह समय एक संकल्प लेने का है। अब हम सभी आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर दृढ़ता से आतंकवाद का मुकाबला करें यही हम सबकी अमर शहीद मोहन चन्द शर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

लोकसभा में विपक्ष के उपनेता और सांसद प्रो0 विजय कुमार मल्होत्रा ने कहा कि आतंकवाद हमारे देश के खिलाफ लड़ाई है और हम सब को एकजुट होकर इससे लड़ना है। श्री मल्होत्रा ने कहा कि जब हमने बंगलादेश को आजाद कराया था तब हमने पाकिस्तान के हजारों कैदियों को छोड़ा था, लेकिन हमने अपने कैदियों को छुड़ाने का कभी प्रयास नहीं किया और हमारी सरकार पोटा कानून हटाकर अफजल जैसे आतंकवादियों को सजा देने से कतरा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए इससे बड़ी शर्म की बात क्या हो सकती है कि अफजल के आतंकवादियों को ढेर करने में शहीद हो गये हमारे शहीदों की विधवाओं ने अपने शहीद हुए पतियों के पदक वापिस कर दिये, और हमारे गृहमंत्री ने अपने पिछले 4 साल के कार्यकाल में एक भी आतंकवादी को सजा नहीं दी।

उत्तराखण्ड के वीर सपूत मोहन चंद शर्मा को अपनी श्रद्धांजलि देते हुए उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चन्द्र खण्डूरी ने कहा कि देश के गौरव और सुरक्षा के लिए उत्तराखण्डवासी हमेशा तैयार रहते है औंर इंस्पेक्टर शर्मा देश के लिए बलिदान हुए है। उन्होंने कहा कि इंस्पेक्टर शर्मा का इतने वीरता पुरस्कार पाना ही अपने आप में बड़ी बात है और ये पुरस्कार बताते हैं कि वे कितने साहसी व देशभक्त थे। श्री खण्डूरी ने कहा कि देश की रक्षा के लिए एकजुटता की जरूरत है। आतंकवाद एक युद्ध है जिसके खिलाफ लड़ने के लिए जन–आंदोलन चाहिए। जब तक जनता संकल्प लेकर उठ खड़ी नहीं होती तब तक आतंकवाद परास्त नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण चन्द लोगों की जरूरत हैं और जब तक वोट बैंक की राजनीति बरकरार है तब तक आतंकवाद को समाप्त नहीं किया जा सकता।

इस अवसर पर पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री सैय्यद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि जब हमारे यहां अफजल जैसे आतंकवादी तिहाड़ की जेल में बिरयानी खायेंगे, सलमान खुर्शीद जैसे वकील सिमी की पैरवी करेंगे तो इस देश का क्या होगा आप अन्दाजा लगा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ गुमराह लोगों ने पूरे अल्पसंख्यक समाज के लोगों को दांव पर लगा दिया है जिसकी वजह से पूरे समाज के लोगों को शर्मिंदगी का शिकार होना पड़ रहा है।

भारतीय आतंकवादी विरोधी मोर्चे के अध्यक्ष मनजीत सिंह बिट्टा ने कहा कि इस जांबाज जवान ने अपने कर्त्तव्य का पालन किया है। उन्होंने कहा कि गोली का जवाब गोली है और हमें खुद आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की शुरूआत करनी होगी।

इस अवसर पर श्री गजेन्द्र सोलंकी ने अपनी प्रेरक कविता के माध्यम से श्रद्धांजलि देते हुए कहा –

सेन्दुर सुहागिन का देश पे शहीद हुआ,

निज मातु औ पिता की अंखियों का तारा था।

भोले–भाले बचपन की अधूरी प्यास और,

बहनो ं की राखी आन–बान रखवाला था।

प्राणदान दे के जो सुरक्षा सम्मान दिया,

प्यारे भारत देश का वो पौरूष उजियारा था।

कोटि–कोटि जन उन्हे ं मिल के नमन करें,

वीर मोहन चंद हम सब का दुलारा था।

कार्यक्रम का संचालन सामाजिक संस्था 'स्वतंत्र प्रहरी' के अध्यक्ष श्री जगदीश ममगाईं ने किया।

प्रदीप कुमार मिश्रा
(शोध पत्रकार)
डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी शोध अधिष्ठान